लोक-सभा वाद-विवाद
का
संक्षिप्त अनूदित संस्करण

SUMMARISED TRANSLATED VERSION
OF
4th
LOK SABHA DEBATES

[नवां सत्र / Ninth Session]

[खंड 35 में अंक 21 से 29 तक है / Vol. XXXV contains Nos. 21 to 29]

लोक-सभा सचिवालय
नई दिल्ली

LOK SABHA SECRETARIAT
NEW DELHI

मूल्य : एक रुपया

Price : One Rupee

[यह लोक-सभा वाद-विवाद का संक्षिप्त अनुदित संस्करण है और इसमें अंग्रेजी/हिन्दी में दिये गये भाषणों आदि का हिन्दी/अंग्रेजी में अनुवाद है ।

This is translated version in a summary form of Lok-Sabha Debates and contains Hindi/English translation of speeches etc. in English/Hindi.]

विषय-सूची/CONTENTS

अंक 22 मंगलवार, 16 दिसम्बर, 1969/25 अग्रहायण 1891 (शक)
No. 22 *Tuesday, December* 16, 1969/*Agrahayana* 25,1891 (*Saka*)

विषय	Subject	पृष्ठ/Pages
निधन सम्बन्धी उल्लेख	Obituary Reference	
(श्री गिरिराज शरण सिंह का निधन)	(Death of Shri Girraj Saran Singh) ...	1–4
अध्यक्ष महोदय	Mr. Speaker	1
श्रीमती इन्दिरा गांधी	Shrimati Indira Gandhi	1–2
डा. राम सुभग सिंह	Dr. Ram Subhag Singh ...	2
श्री जगन्नाथ राव जोशी	Shri Jagannath Rao Joshi	2
श्री सेझियान	Shri Sezhiyan ...	2
श्री उमानाथ	Shri Umanath ...	2
श्री रविराय	Shri Rabi Ray ..	2
श्री सुरेन्द्रनाथ द्विवेदी	Shri Surendranath Dwivedy ...	3
श्री यशवन्त सिंह कुशवाह	Shri Yeshwant Singh Kushwah ...	3
श्री शिव चरण लाल	Shri Shiv Charan Lal	3
श्री रंगा	Shri Ranga ...	3

लोक-सभा
LOKSABHA

मंगलवार, 16 दिसम्बर, 1969/ 25 अग्रहायण, 1891 (शक)
Tuesday, December 16, 1969/ *Agrahayana* 25, 1891(*Saka*)

लोक-सभा ग्यारह बजे समवेत हुई
The Lok Sabha met at Eleven of the Clock

{ अध्यक्ष महोदय पीठासीन हुए
Mr. Speaker *in the Chair* }

निधन सम्बन्धी उल्लेख
OBITUARY REFERENCE

श्री गिरिराजशरण सिंह का निधन

अध्यक्ष महोदय : मुझे श्री गिरिराजशरण सिंह के दुखद निधन की सभा को सूचना देनी है जिनका 47 वर्ष की थोड़ी आयु में कुछ समय तक बीमार रहने के बाद नई दिल्ली में आज प्रातः स्वर्गवास हो गया ।

वह उत्तर प्रदेश के मथुरा निर्वाचन क्षेत्र से इस सभा के सदस्य थे । वह 1952 से 1957 तक प्रथम लोक सभा के सदस्य रहे । वह 1946 से 1948 तक भरतपुर रियासत में मन्त्री थे । बहुत मिलनसार और हंसमुख स्वभाव वाले व्यक्ति थे । वह सभा की कार्यवाही में सक्रिय रूप से भाग लेते थे ।

हमें उनके निधन का हार्दिक दुख है और मुझे विश्वास है कि मेरे साथ यह सभा भी उनके संतप्त परिवार के प्रति अपनी समवेदना प्रकट करती है ।

प्रधान मन्त्री, वित्त मन्त्री, अणु शक्ति मन्त्री तथा योजना मन्त्री (श्रीमती इन्दिरा गांधी) : अध्यक्ष महोदय, हमें आज प्रातः श्री गिरिराजशरण सिंह के निधन की बात जानकर दुःख हुआ है । वह इस सभा में हमारे साथियों में से एक थे। वह कुछ समय से बीमार थे

और हम सब भी उनके परिवार की तरह उनके बारे में चिन्तित रहे । परन्तु जिस बात का डर था, वही बात हुई ।

वह प्रथम लोक सभा के भी सदस्य थे जिसमें वे प्रतिरक्षा सेवाओं और भरतपुर रियासत के मन्त्री के अनुभव के बाद आये । वह 1967 में पुनः निर्वाचित हुए । यद्यपि वह हमारे शान्त तथा मिलनसार सहयोगी थे परन्तु फिर भी वह सभा की कार्यवाही में भाग लेते रहते थे । अतः हमें उनकी अनुपस्थिति अखरेगी ।

मैं इस सभा की ओर से और अपनी ओर से हार्दिक संवेदना व्यक्त करती हूं और आपसे प्रार्थना करती हूँ कि आप उनकी पत्नी, श्रीमती पयेला सिंह और उनके बड़े भाई, महाराजा भरतपुर को, जो इस सभा के सदस्य भी हैं, हमारी समवेदना पहुंचा दें ।

डा० राम सुभग सिंह (बक्सर): मैं श्री गिरिराज शरण सिंह के निधन पर हार्दिक शोक प्रगट करता हूँ । वह जब भी इस में बोले हैं, विशेषकर प्रतिरक्षा मामलों पर, उनका योगदान बहुत अधिक था । देश के इस भाग में, विशेषकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में वह विख्यात थे । एक युवक विधायक के रूप में उनका इस सभा में महत्वपूर्ण योगदान रहा है, मैं विरोधी पक्ष को ओर से और अपनी ओर से आपसे प्रार्थना करता हूं कि आप संतप्त परिवार को हमारी गहन समवेदना पहुँचा दें ।

Shri Jagannath Rao Joshi (Bhopal) : I could never think that death would snatch away him from us so soon. This is a great shock to all of us. He used to sit beside me. He was a man of quieter nature and at time he used to participate in the proceedings of the House. But now we have lost him. On behalf of my party and on my own behalf, I request you to convey our sense of sorrow to the bereaved family.

श्री सेझियान (कुम्बकोणम) : मैं अपने दल की ओर से सभा के नेता विरोधी कांग्रेस के नेता और अन्य सहयोगी द्वारा व्यक्त समवेदना में स्वयं को सम्मिलित करता हूं । यह बहुत दुःख की बात है कि श्री शरण सिंह आज हमारे बीच नहीं है । यद्यपि वह एक शाही खानदान से थे, परन्तु वह संसद की कार्यवाही में बहुत रुचि लेते थे और सदस्यों में बहुत लोकप्रिय थे तथा बहुत मिलनसार थे । वह प्रतिरक्षा के मामलों में बहुत रुचि लेते थे और आय-व्ययक विवाद में प्रतिरक्षा पर उनका भाषण सदस्यों को प्रभावित करता था । मैं उनके असामयिक निधन पर गहरा शोक प्रगट करता हूँ ।

श्री उमानाथ (पुद्दूकोटै) : श्रीमान, मैं अपने दल की ओर से आपके द्वारा तथा सभा के अन्य सदस्यों द्वारा की गई समवेदना की अभिव्यक्ति में स्वयं को सम्मिलित करता हूँ और आपसे प्रार्थना करता हूं कि आप संतप्त परिवार के सदस्यों को हमारी समवेदना पहुँचा दें ।

Shri Rabi Ray (Puri) : Mr. Speaker, Sir, it is a matter of great sorrow that the hon. Member, Shri Giriraj Saran Singh, has passed away. On behalf of my party and on my own behalf, I request you to convey our sense of sorrow to his wife and other members of the bereaved family.

श्री सुरेन्द्रनाथ द्विवेदी (केन्द्रपाड़ा) : श्रीमन् हम सब को वर्तमान लोक सभा के सदस्य श्री गिरिराज शरण सिंह के निधन का बहुत दुःख है। वे बहुत लोकप्रिय और मिलन सार व्यक्ति थे। में स्वयं को और अपने दल को अन्य सदस्यों की समवेदना–अभिव्यक्ति में सम्मिलित करता हूं। हम आशा करते हैं कि आप संतप्त परिवार के सदस्यों को हमारी समवेदना पहुंचा देंगे।

Shri Yashwant Singh Kushwah (Bhind) : Our party has felt a great shock due to the demise of Shri Giriraj Saran Singh. I would request you to convey our heart-felt condolences to the members of the bereaved family. His sad demise is a loss not only to the Swatantra Party but the entire Opposition has been deprived of him because he was making vigorous efforts to bring about unity in Opposition parties.

Shri Shiv Charan Lal (Ferozabad) : Mr. Speaker, Sir, Shri Giriraj Saran Singh was closely associated with my area, Agra and Mathura. I have received a great shock due to his sudden demise. Although he used to speak less, but his speech was forceful. On behalf of my party, BKD, and on my own behalf I request you to convey our condolences to the members of the bereaved family.

श्री रंगा (श्री काकुलम) : श्रीमन इस सभा, देश और विशेषकर हमारे दल को उनके निधन से भारी क्षति पहुंची है। मैं प्रधान मन्त्री तथा अन्य साथियों को जिन्होंने उनके बारे में और उनकी सेवाओं के बारे में विचार व्यक्त किए हैं धन्यवाद देता हूं। हमारी उनकी धर्मपत्नी, श्रीमती पमेलासिंहजी से सहानुभूति हैं जिन्होंने उनकी बहुत अच्छी तरह से देखभाल की हैं। उनका इतनी थोड़ी आयु में निधन दुर्भाग्यपूर्ण है। प्रतिरक्षा मामलों में उनके विचार और सुझाव बहुत रचनात्मक तथा लाभदायक थे।

वे विद्रोही और क्रान्तिवादी प्रसिद्ध जाट परिवार से सम्बन्ध रखते थे। क्रान्ति के कारण ही भरतपुर राज्य अस्तित्व में आया। वह उस परिवार के विशिष्ट व्यक्तियों में से एक थे जिसने इस सभा को तथा राजस्थान विधान सभा के अनेक विधायक प्रदान किए हैं।

गिरिराज जी उत्तर प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा में भी प्रभावशाली और लोकप्रिय थे।

उन्होंने रौयल एयर फोर्स में काम किया था और वहां उन्होंने असाधारण योग्यता का परिचय दिया। वह भरतपुर रियासत में तीन वर्ष तक मंत्री के रूप में रहे। वह 1952 से 1957 तक इस सभा के सदस्य रहे और इस बार पुनः निर्वाचित होकर आये। प्रथम लोकसभा में वह एक निर्दलीय सदस्य के रुप में आये थे और इस बार वे स्वतन्त्र दल के सदस्य थे। उन्होंने शासक दल में सम्मिलित होने की कभी कोशिश नहीं की। वह अपने परिवार की परम्परा के प्रति बहुत निष्ठावान थे।

वह हम सब के एक अच्छे मित्र थे जैसा कि विभिन्न दलों के नेताओं के विचारों से प्रगट होता है। वह हमारे दल के एक बहुत निष्ठावान सदस्य थे।

उनके निधन से हुई क्षति को पूरा करना हमारे लिए बहुत कठिन होगा। हम उन सब सदस्यों को, जिन्होंने हमारे प्रति और उनके परिवार के प्रति सहानुभूति प्रगट की है, धन्यवाद देते हैं। भगवान उनकी आत्मा को शान्ति दे।

अध्यक्ष महोदय : हम अपना शोक प्रगट करने के लिए कुछ देर के लिए मौन खड़े होंगे ।

इसके पश्चात सदस्य थोड़ी देर के लिए मौन खड़े रहे ।
The Members then stood in silence for a short while.

श्री सुरेन्द्रनाथ द्विवेदी : श्रीमन इससे पहले कि आप सभा स्थगित करें, क्या मैं जान सकता हूं कि श्री इमाम के संकल्प का, जिसे हमने आज के लिए स्थगित कर दिया था, क्या होगा ?

अध्यक्ष महोदय : मैं आपको इसके बारे में कल बताऊंगा । इसे कार्य मंत्रणा समिति में लाया जायेगा । मुझे खेद हैं कि जब भी यह संकल्प आता है, कोई न कोई बात हो जाती है ।

दिवंगत आत्मा के सम्मान में सभा आज के लिए स्थगित होती है और कल 11 बजे पुनः समवेत होगी ।

इसके पश्चात लोक सभा बुद्धवार, 17 दिसम्बर, 1969/26 अग्रहायण, 1891 (शक) के ग्यारह बजे तक के लिए स्थगित हुई ।

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the clock on Wednesday, December 17, 1969/Agrahayana 26, 1891 (Saka)

डायमण्ड प्रिंटिंग प्रेस, जयपुर–3